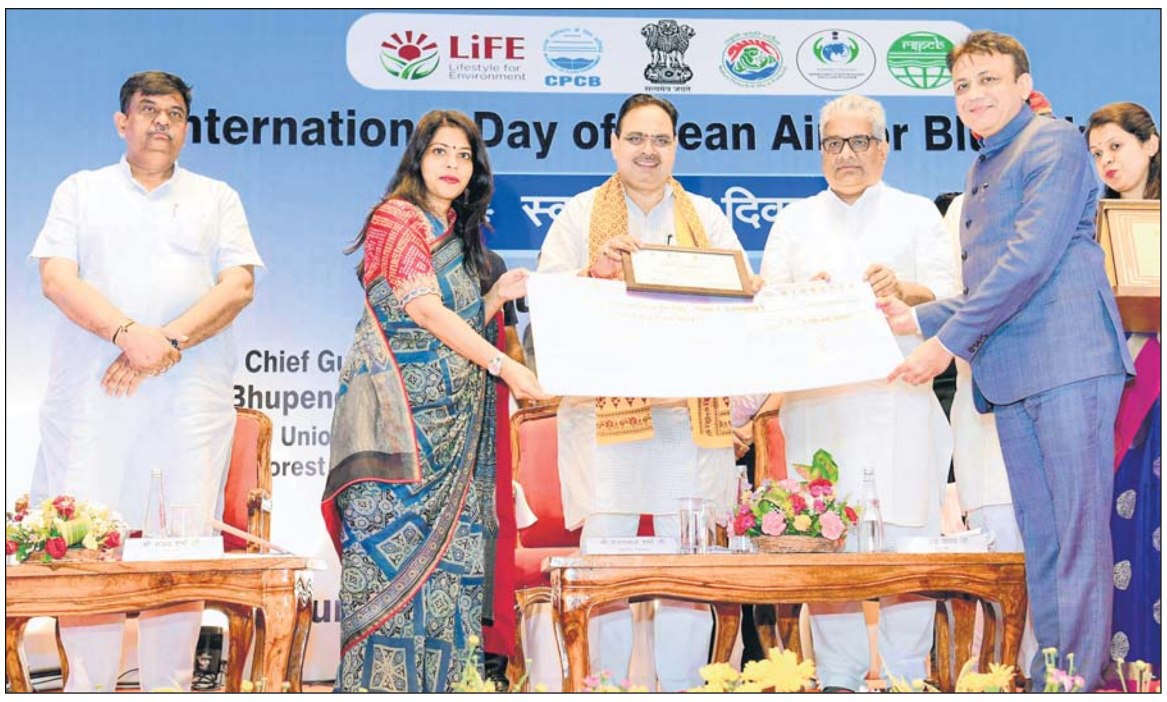

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने शनिवार को जयपुर एग्ज़िबिशन एण्ड कन्वैन्शन सैंटर में अंतर्राष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में स्वच्छ वायु सर्वेक्षण के तहत तीन श्रेणियों (बड़े, मध्यम एवं छोटे शहर) में देश के नौ शहरों को अवॉर्ड दिया। इस कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा सहित बड़ी संख्या में पर्यावरणविद् एवं आमजन उपस्थित हुए।

अन्तर्राष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस पर कई शुभ व नेक इरादे देखने को मिले

मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि राज्य में 7 करोड़ पौधे लगाये हैं, 5 वर्ष में 50 करोड़ पौधों का लक्ष्य है

- **मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि अगले वर्ष राज्य का ग्रीन बजट पेश किया जायेगा।**
- **उन्होंने कहा, प्रकृति का संरक्षण हम सब की सामूहिक जिम्मेदारी है, छोटे प्रयासों से बड़ा बदलाव ला सकते हैं।**

जयपुर, 7 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रकृति का संरक्षण हम सब की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रकृति किसी न किसी रूप में मानव जाति को निरंतर सौगातें देती है। बदले में हमें भी प्राकृतिक संसाधनों के सीमित उपयोग और वृक्षारोपण से प्रकृति संरक्षण में अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि पानी की व्यर्थ बर्बादी रोकने, थाली में आवश्यकतानुसार ही भोजन लेने और परिवहन के साधनों को साझा रूप से इस्तेमाल करने जैसे छोटे-छोटे प्रयासों से हम बड़ा बदलाव ला सकते हैं। शर्मा शनिवार को जयपुर एग्ज़ीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में पांचवें स्वच्छ वायु दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 7 सितंबर को नीले अंबर के लिए स्वच्छ वायु का अंतर्राष्ट्रीय दिवस घोषित किया है। इसका उद्देश्य पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए कार्रवाई को प्रोत्साहन देना है। हमें अपने वर्तमान एवं भविष्य को सुरक्षित रखने तथा जीवन को स्वस्थ बनाए रखने के लिए ये कदम उठाने अति आवश्यक हैं। हम सब जागरूक नागरिक होने का कर्तव्य निभाते हुए वायु प्रदूषण को कम करने में सरकार के प्रयासों में भागीदार बनें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा चलाए गए एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरणा लेकर विश्व पर्यावरण दिवस पर राज्य में वृक्षारोपण महाअभियान शुरू किया है, जिसके तहत 7 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं तथा 5 वर्षों में 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही, मिशन हरियालो राजस्थान के तहत 5 सालों में 4 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि प्रदेश में सभी विकास योजनाओं में ग्रीन ग्रोथ के सिद्धांत तथा पर्यावरण संरक्षण के साथ आगामी वर्ष से राज्य का ग्रीन बजट पेश करने का भी निर्णय लिया गया है। साथ ही, प्रदूषण मुक्त राजस्थान की संकल्पना हेतु बड़े शहरों में 1000 इलेक्ट्रिक बसें शीघ्र ही संचालित की जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में नेशनल क्लीन एयर प्रोगाम के तहत वायु प्रदूषण की समस्या के समाधान के लिए राज्य स्तरीय कार्य योजना बनाई गई है। अधिक प्रदूषित 5 शहरों के लिए शहरी कार्य योजना भी तैयार की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशन, मोबाइल वैन के माध्यम से वायु गुणवत्ता का मापन, 600 से अधिक उद्योगों में ऑनलाइन प्रदूषण निगरानी प्रणाली भी स्थापित की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य में प्रदूषण नियंत्रण मंडल की 13 प्रयोगशालाओं में से 5 प्रयोगशालाओं का आधुनिकरण किया गया है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मिशन लाइफ का उद्देश्य पर्यावरण हितैषी जीवन शैली अपनाकर प्रकृति का संरक्षण करना है। उन्होंने कहा कि देश के 131 शहरों में नवाचारों एवं तकनीक के उपयोग के संयुक्त प्रयासों से पर्यावरण प्रदूषण को कम किया गया है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि भारत सरकार आईडियाज फोर लाइफ कार्यक्रम के माध्यम से सात विभिन्न विषयों पर कार्य कर रही है। उन्होंने राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर चलाए गए वृक्षारोपण महाभियान की भी सराहना की। इस दौरान स्वच्छ वायु सर्वेक्षण के तहत तीन श्रेणियों (बड़े, मध्यम एवं छोटे शहर) में देश के नौ शहरों को अवार्ड भी दिया गया।

कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा, विशिष्ट सचिव केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालयतन्मय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन अपर्णा अरोडा, अतिरिक्त सचिव केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नरेशपाल गंगवार सहित कई लोग मौजूद थे।

हरियाणा के पूर्व मंत्री ने भाजपा से इस्तीफा दिया

नई दिल्ली, 7 सितंबर। हरियाणा के पूर्व मंत्री बचन सिंह आर्य ने विधानसभा चुनाव में भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर शनिवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया। जींद जिले के सफीदों निवासी आर्य ने बीजेपी की ओर से टिकट नहीं दिए जाने पर निराशा जताई। उन्होने शनिवार को ही सफीदों सीट से बतौर निर्दलीय उम्मीदवार अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। भाजपा ने इस बार जननायक जनता पार्टी के पूर्व विधायक रामकुमार गौतम को सफीदो से अपना उम्मीदवार बनाया है। पूर्व मंत्री बचन सिंह आर्य साल 2019 के विधानसभा चुनाव में करीब 3 हजार वोटों से हार गए थे।

- **पूर्व मंत्री बचन सिंह ने टिकट नहीं मिलने से नाराज होकर पार्टी से इस्तीफा देने के बाद बतौर निर्दलीय नामांकन दाखिल कर दिया।**

बचन सिंह ने कहा, मैं यह बात पहले भी कह चुका हूं। आज जनता ने मुझे पार्टी छोड़ने के लिए कहा और आपने देखा होगा कि 10 हजार लोगों की भीड़ थी। जब मैं भाजपा में शामिल हुआ तो जनता ने ही मुझसे यह कहा था। लोग उनके काम से संतुष्ट नहीं थे। साथ ही, जींद उनकी कार्यशैली के अनुकूल नहीं है। उन्होंने कहा कि इलाके के लोगों ने बीजेपी को नजरअंदाज किया है। अब मैं जनता के टिकट पर चुनाव लड़ रहा हूं। उन्होंने ही मुझे ऑफर दिया और मैंने इसे स्वीकार कर लिया है। जनता को ही वोट देना है। जो लोग बाहर से आए हैं, उन्हें कभी जीत हासिल नहीं हुई।

गुड़गांव विधानसभा क्षेत्र से टिकट नहीं मिलने से नाराज भाजपा नेता जीएल शर्मा ने शुक्रवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। सूत्रों ने बताया कि शर्मा कांग्रेस में शामिल होंगे।

पायलट का जन्मदिन समर्थकों ने पूरे राज्य में गौ सेवा करके मनाया

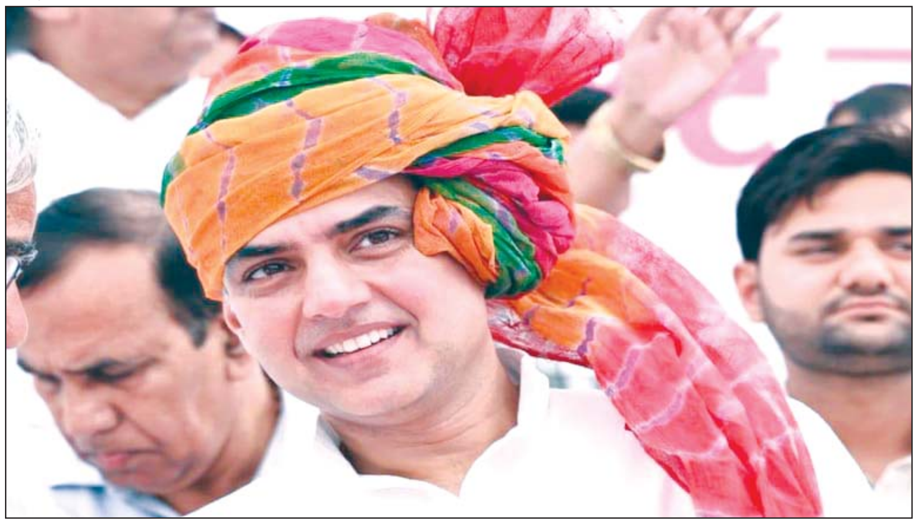

समर्थकों ने कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट का 47वां जन्मदिन गौसेवा दिवस के रूप में मनाया। इस मौके पर कांग्रेस के सभी जिला एवं तहसील मुख्यालयों से गौशालाओं को हजारों क्विंटल चारा वितरित किया गया।

- **सभी जिला व तहसील मुख्यालयों पर जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने हजारों क्विंटल चारा गौशालाओं में वितरित किया।**

जयपुर, 7 सितम्बर (का.प्र.)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट का 47वें जन्मदिन पर प्रदेशभर में कांग्रेसजनों ने गौशालाओ में गौ-सेवा की। इस दौरान सभी जिला मुख्यालयों, तहसील मुख्यालयों पर गौशालाओ में हजारों क्विंटल चारा वितरण किया गया। इन कार्यक्रमों में संबंधित जिलों के वर्तमान एवं पूर्व जनप्रतिनिधिगण, पार्टी पदाधिकारीगण, एवं कार्यकर्तागण मौजूद रहे। इससे पहले भी सचिन पायलट के जन्मदिवस पर प्रतिवर्ष वृक्षारोपण, रक्तदान जैसे कार्य किए जाते रहे हैं। जयपुर में कांग्रेस जनों ने पिंजरापोल गौशाला में गायों के लिए सूखा और हरा चारा उपलब्ध करवाया। यहां चारे की गाड़ियां भेजी गईं। साथ ही गायों को लापसी भी खिलाई गई। जयपुर में ही पूर्व पार्षद इकरामुद्दीन खान के नेतृत्व में भी कांग्रेस जनों ने गायों को हरा चारा खिलाया।

केकड़ी के कार्यकर्ताओं ने जयपुर रोड़ स्थित गौशाला में गायों हरा चारा और गुड खिलाया गया। कई कांग्रेस नेताओं ने इस अवसर पर केक भी काटा। कार्यक्रम में कांग्रेस नेता शैलेंद्र सिंह शक्तावत मुख्य अथिति थे। इस अवसर पर सांवरलाल गुर्जर, रतन पंवार, धनेश जैन, नगर अध्यक्ष हेमंत जैन सहित कई नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे।

चुरू जिला मुख्यालय पर कांग्रेसजनों ने पिंजरापोल सोसायटी गौशाला में गाय माता की सेवा पूजा कर केक काटा एवं गौशाला में चारा खिलाया। इस दौरान में पूर्व सभापति गोविंद महँसरिया व क्षेत्र के कई कार्यकर्ता व नेता उपस्थित थे।

झालावाड़ में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बेसहारा गायों को गुड़ व चारा खिलाकर सचिन पायलट को जन्मदिन की बधाई व शुभकामनायें दी। इस अवसर पर नगर पालिका झालरापाटन के पूर्व चेयरमैन अनिल पोरवाल, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी झालरापाटन के पूर्व अध्यक्ष फरीद चौधरी, पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मंजू पोरवाल, पूर्व पार्षद एवं फ्रेंडस क्लब के अध्यक्ष हैदर अली उपस्थित थे। अजमेर उत्तर से कांग्रेस उम्मीदवार रहे महेंद्र सिंह रलावता के नेतृत्व सचिन पायलट के जन्म दिवस पर नारेली गौशाला में गायों को चारा और गुड खिलाया और दरगाह में चादर चढ़ा कर लंबी उम्र की कामना की गई।

‘भारत जोड़ो यात्रा ने हमें हिम्मत दी, हमारा हौसला बुलन्द किया’

नयी दिल्ली, 7 सितंबर (वार्ता)। कांग्रेस ने कन्याकुमारी से कश्मीर के श्रीनगर तक के लिए दो साल पहले आज ही के दिन शुरु हुई भारत छोड़ो यात्रा को पार्टी के इतिहास में महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक लम्हा करार देते हुए कहा है कि इससे पार्टी की हिम्मत बंधी और उसके हौसले बुलंद हुए हैं।

कांग्रेस ने कहा ऐतिहासिक लम्हा था जिसने हमें यकीन दिलाया कि सब ठीक हो जाएगा, जिसने हमें हिम्मत दी, हमारा हौसला बना और कहा- डरो मत।

- **राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा की दूसरी वर्षगांठ के मौके पर कहा, भारत जोड़ो यात्रा ने मुझे मौन का सौंदर्य सिखाया।**

खड़गे ने कहा, भारत जोड़ो यात्रा एक ऐतिहासिक जन-आंदोलन है, जो समाज को एकजुट करने का पर्याय बन गया है। राहुल गांधी जी व हमारे भारत जोड़ो यात्रियों ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक पैदल जो दूरी तय की, उससे करोड़ों लोगों के दिलों में प्रेमभाव, आपसी सौहार्द और बंधुत्व की अभूतपूर्व जनचेतना जागृत हुई। भारत जोड़ो यात्रा की दूसरी वर्षगाँठ के अवसर पर मैं देशवासियों से केवल इतनी ही अपील करता हूँ कि संविधान और लोकतंत्र को संजोए रखने का संघर्ष जारी रखें।

उन्होंने कहा, आर्थिक असमानताओं, महँगाई, बेरोज़गारी, सामाजिक अन्याय, संविधान के विध्वंस, सत्ता के केंद्रीकरण के वास्तविक मुद्दों पर हमारा संघर्ष जारी है। न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के हमारे संवैधानिक मूल्यों को सुरक्षित रखने का संकल्प और मज़बूत होना चाहिए। नफ़रत और विभाजन के एजेंडे को हम कामयाब नहीं होने देंगे। मोहब्बत और इंसानियत की जीत निश्चित है। कांग्रेस पार्टी थमेगी नहीं, रुकेगी नहीं।

मणिपुर में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुताबिक, उग्रवादी जिला मुख्यालय से करीब पांच किलोमीटर दूर एक सुनसान स्थान पर अकेले रहने वाले व्यक्ति के घर में घुसे और उसकी गोली मारकर हत्या कर दी। अधिकारी ने बताया कि हत्या के बाद जिला मुख्यालय से करीब सात किलोमीटर दूर पहाड़ियों में युद्धरत समुदायों के हथियारबंद लोगों के बीच भारी गोलीबारी हुई, जिसमें तीन पहाड़ी उग्रवादियों सहित चार हथियारबंद लोगों की मौत हो गई। गोलीबारी में मरने वाले कुकी और मैतेई दोनों ही समुदायों से हैं। मणिपुर में ताजा हिंसा की घटनाओं के बाद पिछले पांच दिनों से तनाव बहुत बढ़ गया है। शुक्रावर की रात बिष्णुपुर में एक शख्स की हत्या कर दी गई ती। इसके अलावा 2 मणिपुर राइफल्स और 7 मणिपुर राइफल्स के हेडक्वार्टर से हथियार लूटने की कोशिश की गई।

विनेश व पूनिया के कांग्रेस में जाने से तिलमिलाई...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने प्रतिक्रिया दी और कहा कि जहाँ भाजपा उनके साथ खड़ी है, जो गलत करते हैं, वहीं कांग्रेस सदैव उनके साथ खड़ी है, जिनके साथ गलत होता है।

उन्होंने कहा, “जो लोग भी गलत काम करते हैं, भाजपा उनके साथ खड़ी है और वे लोग भाजपा के साथ होते हैं। जिन-जिन लोगों के साथ गलत होता है, कांग्रेस उनके लिये लड़ती है, उनकी आवाज़ उठाती है तथा भविष्य में भी उठाती रहेगी तथा यही कारण है कि वे लोग भी कांग्रेस को पसंद करते हैं।”

खेड़ा ने आगे कहा कि बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ छः खिलाड़ियों ने एफ.आई.आर. दर्ज करायी थी तथा पार्टी को गर्व है कि पार्टी उनके साथ खड़ी है। उन्होंने कहा, “बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ छः खिलाड़ियों ने एफ.आई.आर. दर्ज करायी थी। हमें गर्व है कि हम अपनी उन बेटियों के साथ खड़े थे, खड़े हैं तथा खड़े रहेंगे। हमें भी इसका अफसोस नहीं होगा कि हम अपनी बेटियों के साथ खड़े थे। उन्हें (भाजपा) को इसका अफसोस होना चाहिये।”

ये दोनों पहलवान 2023 में सिंह के खिलाफ हुये व्यापक विरोध-प्रदर्शन में सबसे आगे थे तथा इन्होंने सिंह पर आरोप लगाया था कि उन्होंने डब्ल्यू.एफ.आई. प्रमुख के अपने कार्यकाल के दौरान बहुत सी महिला पहलवानों का यौन-उत्पीड़न किया था।

सिंह ने कहा, “18 जनवरी, 2023 जिस दिन जंतर-मंतर पर यह विरोध शुरु किया था, मैंने कहा था कि यह आंदोलन खिलाड़ियों का नहीं है, इसके पीछे कांग्रेस है। (इसके पीछे) खासतौर से भूपेन्द्र हूडा, दीपेन्द्र हूडा, प्रियंका जी तथा राहुल जी हैं। यह कांग्रेस का आंदोलन है तथा आज यह बात सिद्ध हो गई है। उस पूरे आंदोलन में हमारे साथ साजिश रची गई थी, उसमें कांग्रेस शामिल थी तथा भूपेन्द्र हूडा उसका नेतृत्व कर रहे थे।

सिंह, विनेश फोगाट तथा बजरंग पूनिया के साथ ही कांग्रेस नेताओं, जिन्हें वे उस विरोध प्रदर्शन के लिये जिम्मेदार मानते हैं, पर जबरदस्त बरसे।

सिंह ने कहा, “मैं हरियाणा की जनता को बताना चाहता हूँ कि भूपेन्द्र हूडा, दीपेन्द्र हूडा, बजरंग और विनेश लड़कियों की गरिमा की खातिर (विरोध पर) नहीं बैठे थे। उनके कारण ही हरियाणा की बेटियाँ परेशानियों का सामना कर रही हैं। इसके लिये जिम्मेदार हम नहीं, भूपेन्द्र हूडा और दीपेन्द्र हूडा जिम्मेदार हैं तथा ये विरोध-प्रदर्शन करने वाले जिम्मेदार हैं।

भाजपा नेता ने यह सवाल भी किया कि अगर यह सिद्ध हो जाये कि वे उस घटना वाले दिन दिल्ली में नहीं थे, जिस घटना को लेकर उनके खिलाफ आरोप लगाये गये थे तो उस स्थिति में उनकी निन्दा करने वाले क्या कहेंगे। उन्होंने कहा, “उन्होंने राजनीति के लिये बेटियों का उपयोग किया तथा बेटियों को, खासतौर से महिला एथलीट्स को बदनाम किया। वे लोग बेटियों के सम्मान के लिये नहीं लड़ रहे थे, वे लोग राजनीति के लिये लड़ रहे थे।”

भाजपा नेता ने दावा किया कि वे उस मामले में निर्दोष हैं तथा उन्होंने इन पहलवानों तथा कांग्रेस पार्टी पर बेटियों का असम्मान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, “बेटियों के असम्मान का दोषी मैं नहीं हूँ।

अगर बेटियों के असम्मान का कोई दोषी है, तो वे बजरंग और विनेश है तथा वह व्यक्ति है, जिसने इस साजिश की पटकथा लिखी। वह व्यक्ति भूपेन्द्रसिंह है। एक दिन कांग्रेस को इस पर अफसोस होगा। उनकी ये टिप्पणियाँ विनेश फोगाट तथा बजरंग पूनिया के विविवत कांग्रेस में शामिल होने के एक दिन बाद आई हैं। कांग्रेस ने बजरंग पूनिया को ऑल इंडिया किसान कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त कर दिया है। 90 सदस्यों वाली हरियाणा विधानसभा के चुनाव 5 अक्टूबर को होने हैं तथा मतगणना 8 अक्टूबर को होगी।

पेपर लीक केस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पूछताछ पूरी नहीं हुई है। ऐसे में उनके पुलिस रिमांड की अवधि को छः दिन के लिए और बढाया जाए। इस पर अदालत ने आरोपियों की रिमांड अवधि 10 सितंबर तक बढ़ा दी। सुनवाई के दौरान रामू राम राईका ने कहा कि उसे जो भी जानकारी थी, वह उसने एस.ओ.जी. को बता दी है। इसके साथ ही राईका रुआंसा हो गया। गौरतलब है कि पेपर लीक मामले में एस.ओ.जी. ने गत एक सितंबर को राईका सहित अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

‘अचानक घटना से...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। प्रार्थिया ने याचिका दायर कर बीमा कंपनी सहित अन्य से क्लेम दिलवाने का आग्रह किया। बीमा कंपनी ने जवाब में कहा कि बीमित वाहन से एक्सीडेंट नहीं हुआ व मृतक के हार्ट की कई बीमारियां थीं। उसने शराब पी रखी थी और उसके कोई प्राण घातक चोटें नहीं आई। उसकी मौत एक्सिडैंट का परिणाम नहीं थी बल्कि उसकी मौत कार्डियक अरेस्ट से हुई है। इसलिए बीमा कंपनी क्लेम राशि देने के लिए जिम्मेदार नहीं है। प्रार्थी पक्ष का जवाब था कि एफ.एस.एल. रिपोर्ट में सामने आया है कि मृतक ने एल्कोहल ले रखा था, लेकिन मेडिकल जूरिस्ट का कहना है कि जितनी मात्रा में उसने शराब पी रखी थी, उससे कार्डियक अरेस्ट नहीं आ सकता। ऐसा अकस्मात हादसे से हुआ है। इस लिए बीमा कंपनी मृतक के आश्रितों को क्लेम राशि का भुगतान करे।

यूक्रेन काफी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभिव्यक्ति वो थी जब उसने अचानक सीमावर्ती क्षेत्रों में रूस के शहरों पर कब्जा करना शुरू कर दिया। यूक्रेन को कुछ सफलता मिली और वो रूसी क्षेत्रों तक पहुंच गया था। इससे भी यूक्रेन के कुछ यूरोपीय मित्र राष्ट्र थोड़ा घबरा गए। दूसरी तरफ, रूस भी युद्ध की थकान के संकेत दे रहा है और पुतिन ने समझौते के कुछ संदेश भी भेजे हैं। भारत के प्र.मंत्री की कीएव यात्रा के बाद रूस ने अन्य देशों के साथ भारत का नाम लिया है, मध्यस्थता करने वाले संभावित देश के रूप में।

नाबालिग का अपहरण...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

16 वर्षीय पुत्री घर से लापता हो गई। वहीं उससे मिलने वालों का पता किया तो महादेव प्रसाद भी रात से गायब है। ऐसे में उसे शक है कि वह उसकी बेटी को बहला फुसला कर ले गया है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

सुनवाई के दौरान पीडिता ने अदालत को बताया कि जब वह 11वीं कक्षा में थी, तो महादेव उसका शिक्षक था। इसके चलते दोनों में बातचीत होती थी। महादेव ने उस पर दबाव डालकर घर छोड़ने का पत्र लिखवाया और दस्तावेजों सहित 12 अप्रैल की रात घर के बाहर बुलाया। जब वह बाहर गई तो महादेव उसे अपनी कार से सीकर ले गया। यहां उसे दो दिन तक एक मकान में रखा और कई बार दुष्कर्म किया। वहीं 15 अप्रैल को पुलिस वहां आ गई और उन्हें लेकर चली गई। वहीं अभियुक्त की ओर से कहा गया कि उसे प्रकरण में झूठा फंसाया गया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा सुनाई और जुर्माना लगाया।

हरियाणा में नहीं होगा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तारीख 12 सितम्बर है। आप हरियाणा में चुनाव प्रचार में जुटी हुई है। पार्टी चीफ, अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल राज्य में जनसभाएं करेंगी।

कक्कड़ ने कहा, “हम, सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ने को तैयार है।”

शुक्रवार को आप के सूत्रों ने कहा था कि गठबंधन को लेकर वार्ता विफल होने के कगार पर है।

इण्डिया ब्लॉक के घटक, आप और कांग्रेस ने हरियाणा, गुजरात और दिल्ली में गठबंधन करके चुनाव लड़ा था। हरियाणा में, आप ने कुरुक्षेत्र सीट से चुनाव लड़ा था, जहाँ से उसके राज्य इकाई अध्यक्ष, सुशील गुप्ता भाजपा के नवीन जिंदल से हार गए थे।

अपनी “फोकस्ड” शैली के कारण हैरिस का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अन्धाधुंध वक्तव्यों के प्रति ट्रम्प के झुकाव को बाइडन की ओर से कोई चुनौती नहीं दी गई थी। जबकि बाइडन ने स्पष्टता और फोकस कायम रखा था।

अगर हम आगे की बात करें तो उपराष्ट्रपति कमला हैरिस 10 सितम्बर की आगामी बहस में ट्रम्प के लिए बहुत मुश्किल, बल्कि दुर्जेय प्रतिद्वन्द्वी सिद्ध हो सकती हैं। हैरिस की बहसों का इतिहास, जिसमें केलिफोर्निया में उनके राज्यपाल-विषयक आन्दोलन भी शामिल हैं, बताता है कि वे सटीक बात कहने में निपुण हैं तथा अपने विरोधियों की कमजोरियों का उनके ही खिलाफ इस्तेमाल करना उन्हें खूब आता है। उनकी वकालत की पृष्ठभूमि ने उन्हें किसी विषय का प्रतिपादन करने में तथा तर्क देने में सटीक बना दिया है, जबकि इसके विपरीत, ट्रम्प की प्रवृत्ति तथ्यात्मक प्रस्तुति के बजाय आडम्बरपूर्ण शब्दों का प्रयोग करने की है।

पिछली बहसों में, हैरिस ने अपने विरोधियों की बातें बड़े प्रभावी तरीके से काटी हैं तथा टकराव के क्षणें में आत्मसंयम बरतने तथा उन्हें हैंडल करने की अपनी क्षमता प्रदर्शित की है। उदाहरण के लिए, 2019 के दौरान, एक प्राथमिक डेमोक्रेटिक बहस में, हैरिस ने जो बाइडन के दावे को चुनौती दी थी, तथा इसके लिए बाइडन सीनेट की एक अन्य अफ्रीकन-अमेरिकन महिला के समर्थन का उल्लेख किया था, हैरिस व बाइडन की गलती को उजागर करने परिहास एवं आत्मविश्वास का सहारा लिया था। इसी प्रकार, 2010 में केलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल के प्रचार में, उन्होंने अपने विरोधी की पेंशन के बारे में की गई उसकी भारी भूल का इस्तेमाल अपने पक्ष में किया था। उनकी तीखी शैली ट्रम्प की अपेक्षाकृत गतिशीलता पर बहुत भारी है।

हैरिस यह भी दर्शा चुकी हैं कि वे अपने आक्रोश को अपने मजबूत जवाबों के रूप में ढ़ाल सकती हैं, जिसका प्रमाण उन्होंने अक्टूबर 2020 की बहस में उन्होंने माइक पेन्स को फटकारते हुए दिया था। अपनी कमजोरी को ताकत के प्रदर्शन का रूप देने की उनकी क्षमता उन्हें ट्रम्प पर बढ़त दिला सकती है क्योंकि ट्रम्प बहसों में प्रायः भावनात्मकता से बचते हैं और उनमें खुद को अनुशासित करने की क्षमता नहीं है।

राष्ट्रीय स्तर पर ट्रम्प की तुलना अपेक्षाकृत अनुभवहीन होने के बावजूद, हैरिस ने बहस के लिए रणनैतिक कुशलता विकसित कर ली है तथा उससे वे अपना काम अच्छी तरह चला सकती हैं दूसरी तरफ, ट्रम्प उनके खिलाफ सुसंगत तथा रणनैतिक हमला करने में हाथ-पैर मारते प्रतीत होते हैं। वे उनकी विश्वसनीयता को कमजोर करने तथा उन्हें एक मामूली खतरा मानने की बीच पेन्डुलम बन सकते हैं। हैरिस अपनी स्थितियों में ज्यादा व्यवस्थित प्रतीत होती हैं, जबकि ट्रम्प अभी तक “प्रजनन-अधिकारों” जैसे प्रमुख मुद्दो पर अपना रुख साफ तौर पर परिभाषित नहीं कर पाए हैं तथा ये चीजें उनके प्रभाव को कम कर सकती हैं।

इसके अलावा, हैरिस का आत्मविश्वास उनकी बहस की रणनीति में साफ झलकता है, जैसे वे माइक्रोफोन को खुला रखना पसन्द करती है तथा इससे ट्रम्प बचाव करने की मुद्रा में आते प्रतीत होते हैं। हैरिस की इस विशिष्टता के विपरीत, बाइडन, ट्रम्प की दखलन्दाजी को रोकने के लिए माइक्रोफोन को बन्द रखने का आग्रह करते थे। हैरिस की माइक्रोफोन को खुला रखने की प्रवृति दर्शाती है कि अपनी सामर्थ्य पर भरोसा है।

कुल मिलाकर, ये बहसें जहाँ परम्परागत रूप से केन्द्रीय महत्व की नहीं रही हैं, लेकिन हैरिस और ट्रम्प के बीच की आगामी बहस बहुत महत्वपूर्ण एवं निर्णायक सिद्ध हो सकती है। स्वयं को एक सक्षम एवं सामर्थ्यवान नेता के रूप में अपनी विश्वनीयता स्थापित करने की हैरिस की कोशिशों तथा ट्रम्प की असंगत प्रस्तुतियाँ तथा खुद को बचाने की कोशिशों के चलते, यह बहस हैरिस को एक ऐसा महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगी कि वे चुनाव से पूर्व अपनी स्थिति को मजबूत कर सकें।

इस बीच, एक पृथक रिपोर्ट के अनुसार, जमीनी स्तर के एक नये संगठन “हिन्दूज़ फॉर अमेरिका फर्स्ट” ने राष्ट्रपति पद के लिए डॉनल्ड ट्रम्प का समर्थन किया है तथा इस संगठन ने पेनसिलवेनिया जॉर्जिया एवं नार्थ कैरोलाइना जैसे अनिश्चित रुख वाले राज्यों में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस के खिलाफ सक्रियतापूर्ण प्रचार शुरू कर दिया है।

इस ग्रुप के अध्यक्ष उत्सव सन्दुजा ने चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा है कि हैरिस के राष्ट्रपति बनने से भारत-अमेरिका सम्बन्ध अस्थिर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि हैरिस उदार जजों को नियुक्त कर सकती हैं, जो सर्वोच्च न्यायालय के महत्वपूर्ण फैसलों को उलट सकें, तथा उनका असर एशियन-अमेरिकन मतदाताओं पर पड़ सकता है।

सन्दुजा ने सीमा-सुरक्षा की बाइडन-हैरिस प्रशासन द्वारा की गई हैंडलिंग की आलोचना की तथा कहा कि हैरिस ने गैर-कानूनी तौर पर विदेशियों के आने तथा अमेरिका में बसने को रोकने के लिये कुछ नहीं किया। इसके द्वारा अपराध तथा ड्रग-स्मगलिंग, जिनमें एशियन-अमेरिकन बिजनैस-मालिक भी शामिल हैं, पर नकारात्मक असर पड़ा। इसके विपरीत, सन्दुजा ने ट्रम्प की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने मैरिट-आधारित अप्रवासन-सुधार किए हैं तथा उन्होंने भारत के साथ रक्षा तथा टैक्नोलॉजी सम्बन्ध मजबूत किए थे। सन्दुजा ने ट्रम्प की प्रशंसा करते हुए कहा कि ट्रम्प भारत के प्रबल समर्थक हैं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ उनके अच्छे एवं सकारात्मक सम्बन्ध हैं तथा उन्होंने रक्षा-प्रोजेक्टों में सहभागिता की है जिससे चीन का प्रतिकार किया जा सके।

उन्होंने हैरिस पर आरोप लगाया कि वे भारत के बारे में नकारात्मक टिप्पणियाँ करती हैं। उन्होंने कहा कि ट्रम्प भारत के घरेलू मामलों में हस्तक्षेप करने से बचते थे। “हिन्दूज फॉर अमेरिका फर्स्ट” महत्वपूर्ण राज्यों में हिन्दुओं में समर्थन के रैलियाँ आयोजित कर रहा है। इस संगठन ने बाँग्लादेश जैसे देशों में हिन्दुओं के उत्पीड़न को लेकर चिन्ता व्यक्त की हैं तथा ट्रम्प की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उन्होंने अपने राष्ट्रपति काल में इन मुद्दों की अहमियत समझी थी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908